



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—भाग 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५]

नई विल्सी, शनिवार, मई २६, १९७९/ज्येष्ठ ५, १९०१

No. ५]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1979/JYAISTA 5, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न थीं जारी हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण

प्रधिकार

नई विल्सी, १८ मई, १९७९

सं० लिखालय १०१/३/७९—भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण, अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण प्रधिनियम, १९७१ (१९७१ का ४३) की धारा ३८ की उपधारा (२) के साथ पठित धारा ३७ की उपधारा (२) के बांद (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से, निम्नलिखित विनियम बनाता है, यथात् :—

१. संस्कृप्त नाम, प्रारम्भ तथा लागू होना— (१) इन विनियमों का नाम भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण (याका भृता एवं वैधिक भृता) विनियम, १९७९ है।

(२) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की धारीक को प्रवृत्त होने।

(३) ये विनियम, प्रतिनियुक्तों महित प्राधिकरण के मध्ये कर्मचारियों को लागू होंगे।

२ पुस्तकालय—इन विनियमों में जब तक कि संवर्ते से भव्यवा प्रपेक्षित न हो :—

(क) "नियंत्रक प्रधिकारी" से अध्यक्ष, सबस्थ अध्यक्ष अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य प्रधिकारी भिन्नप्रेत है;

(ब) "कर्मचारी" से प्राधिकरण का कोई पूर्णकालिक कर्मचारी भिन्नप्रेत है;

(ग) "कुटुम्ब" से, यथास्थिति, कर्मचारी की पत्नी अध्यक्ष पति, जो उसके साथ निवास करता/करती हो, यथा धर्मज्ञ संतान,

जो पूर्णतः कर्मचारी पर प्राप्ति हो, जिसमें सीतेली संतान और दलक संतान शामिल है (यदि उस कर्मचारी की स्त्री विधि के अधीन दलक-पूर्ण हस्ताक्षर इस प्रकार वैध रूप से मान्यता-प्राप्त हो कि उस दलक संतान को नेसार्गिक संतान की प्राप्तिप्रदत्त होती हो) भिन्नप्रेत है, यथा इसमें कर्मचारी के मातापिता, बहनें और भाइ भी हैं जो पूर्णतः कर्मचारी पर प्राप्ति हों तथा उसके साथ निवास करते हों;

(घ) "मुख्यालय" से कर्मचारी के इयूटी का सामान्य स्थान अध्यक्ष प्रध्यक्ष, किसी सदस्य या प्रध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य प्रधिकारी द्वारा विनिविष्ट स्थान भिन्नप्रेत है;

(इ) "वेतन" से वेतन, विशेष वेतन, मंहार्गाई वेतन तथा इन विनियमों के प्रयोजनार्थ वेतन के रूप में कर्मचारी अन्य उपलब्धियों भिन्नप्रेत है;

(अ) "प्रस्तावी स्थानान्तरण" से किसी कर्मचारी का उसके मुख्यालय से ९० दिन से अनधिक अवधि के लिए इयूटी के किसी अन्य स्थान को स्थानान्तरण भिन्नप्रेत है;

(छ) "दोरे" से किसी कर्मचारी द्वारा अपने मुख्यालय नगर से विभिन्न किसी स्थान पर नियमित सरकारी इयूटी भिन्नप्रेत है तथा इसमें प्राधिकरण द्वारा प्रक्रियण या अध्ययन के लिए प्रायोजित याका शामिल है।

## 3. यात्रा भर्ते तथा दैनिक भर्ते की दरें :—

इन विनियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, इन विनियमों के प्रधीन देय यात्रा तथा दैनिक भर्ते की दरें वही होंगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए अधिसूचित की गयी हैं।

## 4. दौरे के समय यात्रा भर्ते की अनुज्ञेयता :—

किसी कर्मचारी को दौरे पर, यात्रा भर्ता, जैसा विनियम 5 से 9 तक में उपबन्धित है, उसके अनुसार अनुज्ञेय होगा।

## 5. रेल से यात्रा :—

(1) कोई कर्मचारी सधिक छोटे मार्ग से रेल किराए (जिसमें रेल किराए पर लगाया गया कर, यदि कोई हो, शामिल है) भी प्रतिपूर्ति का निम्नलिखित यात्रा श्रेणी के अनुसार छूटवार होगा :—

2250 रु 10 तथा इससे अधिक पाने वाले कर्मचारी यातानुकूलित प्रथम श्रेणी  
1250 रु 10 तथा इससे अधिक पाने वाले कर्मचारी प्रथम श्रेणी।

425 से कम पाने वाले कर्मचारी द्वितीय श्रेणी।

टिप्पण :— जब यात्रा विनियम कारणों में भिन्न किन्हीं कारणों से प्रयत्न अपने नियंत्रण से बाहर के कारणों से रह करती पड़े तब, कर्मचारी ना यात्रा के रहकरण के प्रभारों की प्रतिपूर्ति को जा सकता है।

(2) यदि कोई कर्मचारी उस श्रेणी से, जिसका कि वह हकदार है, भीजे की श्रेणी में यात्रा करता है तो उसे बास्तविक किराए की प्रतिपूर्ति ही की जाएगी।

(3) किसी कर्मचारी को, जो द्वितीय श्रेणी में यात्रा का हकदार है, रेल किराए के अतिरिक्त आरक्षण प्रभारों तथा नियन्त्रिका के प्रभारों की (रात की यात्रा के लिए), यदि उसके द्वारा बास्तव में कोई उपगत किए गए हों तो, प्रतिपूर्ति भी की जाएगी।

## 6. विमान द्वारा यात्रा :—

(1) 1800-2000 तथा उससे अधिक वेतनमान के अधिकारी (निवेशक तथा उनसे उच्च अधिकारी), स्वविवेकानुवार, विमान से यात्रा कर सकते हैं;

परन्तु अध्यक्ष द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी सदस्य द्वारा, उसके लिए नेववद किए जाने वाले कारणों से, किसी अन्य कर्मचारी को विमान द्वारा यात्रा करने की अनुमति दी जा सकती है।

(2) कर्मचारी, विमान यात्रा के लिए बहीदे गए विमान टिकटों पर उदाहृत विमान यात्रा-कर, यदि कोई हो, भी प्रतिपूर्ति का हकदार होगा।

## 7. सड़क द्वारा यात्रा :—

(1) कर्मचारी द्वारा केवल उन्हीं स्थानों के बीच सड़क से यात्रा की जा सकती है जो रेल से जुड़े न हों, रेल से जुड़े हुए स्थानों के बीच सड़क से यात्रा की जाने की वजा में कर्मचारी उस श्रेणी के, जिसका वह हकदार है, रेल किराए प्रथम उसके द्वारा उपगत बास्तविक व्यय, जो भी कम हो, की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा।

(2) अमाधारण मामलों में, जहाँ नियंत्रक अधिकारी किसी कर्मचारी को रेल से जुड़े स्थानों में सड़क द्वारा यात्रा की अनुमति दे दें, कर्मचारी विनियम 8 के अनुसार सड़क भील-भर्ते की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा।

## 8. भील भर्ता :—

(1) कोई कर्मचारी सड़क द्वारा की गयी यात्राओं के लिए विनियम 3 के अनुसार प्रबन्धारित की जाने वाली दरों पर भील-भर्ते का हकदार होगा।

(2) दौरे पर जाते समय तथा वहाँ से वापसी के समय कोई कर्मचारी प्रथमांश्चिति, अपने निवास/पड़ाव के स्थान से रेलवे स्टेशन या विमानपत्तन के बीच की जाने वाली यात्रा के लिए, यदि उसके लिए उसे प्राधिकरण के व्यय पर मवारी प्रदान नहीं की गयी है तो उप विनियम (1) के प्रधोन भील-भर्ते का हकदार होगा।

परन्तु नियंत्रक अधिकारी, लेखनवद किए जाने वाले कारणों से, संबंधित व्यक्ति को कट्ट से बचाने की दृष्टि से उपगत बास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति की मंजूरी दे सकता है।

(3) दौरे के समय, पड़ाव के दीरान कर्मचारी, यदि उसे कार्यालय की ओर से कोई बाहर प्रदान न किया गया हो तो, पड़ाव के स्थान पर की गयी कार्यालय से संबंधित यात्राओं के लिए याहाँ से पर किए गए बास्तविक व्यवहार की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा, किन्तु 7 दिन से अन्यधिक निरन्तर पड़ाव में, एक समय में किसी एक स्टेशन पर प्रधिकरण व्यय 100 रुपये तक किया जा सकता। अध्यक्ष द्वारा असाधारण भामलों में 100 रुपये की सीमा को 200 रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पड़ाव के स्टेशन पर 7 दिन से अधिक पड़ाव होने की वजा में, प्रथमांश्चिति 100 से 200 रुपये की सीमा को, आमुपायिक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

## 9. दैनिक भर्ता :—

(1) कर्मचारी, कमज़ो़: विनियम 5, 6 और 8 के अनुसार रेल किराए, विमान किराए तथा सबक भील-भर्ते के प्रतिरिक्ष, मुख्यालय से उस सम्पूर्ण अनुपस्थिति के लिए दैनिक भर्ते का हकदार होगा जो मुख्यालय से प्रस्थान करने से प्रारंभ होकर बापस आने पर ममाल होती है जिससे कि भार्ग में हुआ व्यय तथा बाहर के स्टेशनों पर ठहरने का व्यय किया जा सके।

(2) अनुपस्थिति के प्रस्थेक पूर्ण कैलेज्डर दिन के लिए, जो अर्द्ध-गति से अद्य-रात्रि तक माना जाएगा, पूर्ण दैनिक भर्ता अनुज्ञेय होगा। मुख्यालय से 24 घण्टे से कम की अनुपस्थिति के लिए दैनिक भर्ता निम्नलिखित दरों पर अनुज्ञेय होगा :—

1. यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति 8 घण्टे से अधिक नहीं है तो 30 प्रतिशत

2. यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति 6 घण्टे से अधिक किन्तु 12 घण्टे से अधिक नहीं है तो 50 प्रतिशत

3. यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति 12 घण्टे से अधिक है तो 100 प्रतिशत

यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति की प्रवृत्ति दो कैलेज्डर दिनों तक रहती है तो इसे दो विन की अनुपस्थिति माना जाएगा तथा प्रत्येक विन के लिए दैनिक भर्ते का प्राकलन उपयुक्त व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्यालय से प्रस्थान तथा आगमन के दिनों के लिए भी दैनिक भर्ते का विनियमन तदनुसार किया जाएगा।

(3) दैनिक भर्ते की दरें विनियम 3 के अनुसार प्रबन्धारित की जाएंगी।

(4) निम्नलिखित दबावों में दैनिक भरते का हक निम्नलिखित रूप अवधारित किया जाएगा :

(क) जब कर्मचारी को निःशुल्क आहार एवं आवास दिया जाए...  
..... दैनिक भरते का 1/4

(ख) जब उसे निःशुल्क आहार दिया जाए.....  
..... दैनिक भरते का 1/2

(ग) जब उसे केवल निःशुल्क आवास दिया जाए.....  
..... दैनिक भरते का 3/4

(5) यात्रा में अव्यक्त अवधि के लिए दैनिक भरता केवल साधारण दरों पर अनुज्ञेय होगा । यदि इस अवधि में किसी ऐसे स्टेशन पर रहने का समय भी शामिल है जहाँ के लिए दैनिक भरते की उच्चतर दर अनुज्ञेय है तो ऐसे स्टेशनों पर ठहरने की अवधि के लिए उपचिनियम (4) के अनुसार उन स्टेशनों पर भागु उच्चतर दर के आधार पर आकृति दैनिक भरता दिया जाएगा । ये अवधि के लिए दैनिक भरता सामान्य दरों पर अनुज्ञेय होगा ।

(6) अस्थायी स्थानान्तरण प्रथा दौरे के समय, एक स्टेशन पर ही ठहरने पर 30 दिन के लिए पूर्ण दैनिक भरता अनुज्ञेय होगा तथा इसके पश्चात्, प्रत्येक प्रथा किसी सदस्य प्रथा प्रध्यक्ष द्वारा इस निमित प्राधिकृत किए गए, किसी प्रधिकारी की मंजूरी से, आधी दरों पर अनुज्ञेय होगा । 90 दिन के बाद कोई दैनिक भरता अनुज्ञेय नहीं होगा । किन्तु यिथा और प्रतिक्रिया पाद्यप्रभारों में भेजे गए कांचारियों के मामलों में, प्रध्यक्ष उसके लिए सेवाबद्ध किए जाने वाले कारणों से, 90 दिन के बाद, 180 दिन की अवधि के लिए आधी दर पर दैनिक भरता का सदाय अनुशास्त्र कर सकता है ।

(10) स्थानान्तरण पर यात्रा-भरता :

किसी एक स्थान से दूसरे स्थान को स्थानान्तरण होने पर कोई कर्मचारी, यदि प्राधिकारी द्वारा उसी उसकी शार्धना के बिना स्थानान्तरित किया गया हो तो, यात्रा भरता से सकता है ।

(11) स्थानान्तरण पर यात्राएँ :—

(1) कोई कर्मचारी अपने लिए तथा अपने कुटुम्ब के लिए, रेल की यिस श्रेणी का वह हकदार है उसका, प्रथा दौरे के समय जो परिवहन-साधन उसके लिए अनुज्ञेय है उसका, वास्तविक किया जाने का हकदार होगा ।

(2) कोई कर्मचारी, जो कि दौरे पर विमान द्वारा यात्रा के लिए प्राधिकृत हो, स्थानान्तरण के समय विमान से यात्रा करने पर, अपने तथा अपने कुटुम्ब के सदस्यों के लिए वास्तव में उपगत किया गया विमान किया जाने का हकदार है ।

(3) कोई कर्मचारी, यात्रा की अवधि के लिए अपने तथा अपने कुटुम्ब के प्रत्येक सदस्य के लिए, उसमा दैनिक भरता भी लेने का हकदार होगा । जितना कि वह दौरे पर लेने का हकदार है । 12 घण्टे से कम शायु के बच्चों के लिए दैनिक भरता प्राधिक दरों की आधी दर पर संरेख्य होगा ।

(4) कोई कर्मचारी, अपना सामान, निम्नलिखित अधिकतम सीमा तक, रेल अवधा परिवहन के अध्य साधों से ले जाने के लिए, वास्तविक परिवहन व्यय पाने का हकदार होगा :—

कर्मचारी की श्रेणी	यदि कुटुम्ब नहीं है यदि कुटुम्ब है तो
1000 रु० या अधिक	2000 कि० ग्रा० पूरा माल डिव्हा
650 रु० किन्तु 1000 रु० से कम	1000 कि० ग्रा० 3000 कि० ग्रा०
330 रु० किन्तु 650 रु० से कम	750 कि० ग्रा० 1500 कि० ग्रा०
330 रु० से कम	250 कि० ग्रा० 600 कि० ग्रा०

परन्तु प्रध्यक्ष, विशेष भासलों में, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें, सेवाबद्ध करके, उपर्युक्त मानदण्ड को शिथिल कर सकते हैं ।

(5) कोई कर्मचारी, अपने बाहर के "प्रपनी जोखिम पर" परिवहन के वास्तविक व्यय को, निम्नलिखित मानदण्डों पर लेने का हकदार होगा, परन्तु यह तब तक—

(क) तय की गई दूरी 150 कि० मी० से अधिक हो;

(ख) कर्मचारी किसी ऐसे पद का भार संभालने जा रहा हो जिस पर अपना बाहर होना उसकी वक्ता की वृद्धि से लाभदायक हो; तथा

(ग) बाहर की बस्तु: रेल अवधा अन्य परिवहन साधनों द्वारा ले जाया गया हो ।

कर्मचारी की श्रेणी	अनुशास्त्र मानदण्ड
बेतन 850 रु० तथा अधिक	एक मोटर कार अथवा मोटर साइकिल/स्कूटर या साइकिल
बेतन 330 रु० तथा अधिक	एक मोटर साइकिल/स्कूटर या साइकिल
अन्य कर्मचारी	एक साधारण साइकिल

जब किसी कर्मचारी को अपनी मोटर कार या मोटर साइकिल/स्कूटर/रेल द्वारा ले जाने के लिए प्राधिकृत किया जाता है तब वह उसे अपनी इच्छा से यादी यादी अवधा माल-गाड़ी से ले जा सकता है । यादी-गाड़ी की वज़ा में, कर्मचारी रेल द्वारा प्रभारित वास्तविक भाषा से सकता है तथा माल-गाड़ी की वज़ा में, प्रध्यात् यदि मोटर-कार अवधा मोटर-साइकिल अवधा स्कूटर को माल-गाड़ी से भेजा जाए तो, कर्मचारी, रेल द्वारा प्रभारात्म माल-गाड़े के प्रतिक्रियत कैपिंग की लागत स्थान पैक की दुर्लभ मोटर-कार या मोटर-साइकिल या स्कूटर को माल-गाड़े तक, तथा वहाँ से प्रस्तान स्टेशन तक और वहाँ से आगमन स्टेशन तक की परिवहन-साधत ले सकता है, परस्तु यो जाने वाली कुप्रशंसनी, रेल द्वारा, कार या मोटर-साइकिल की यादी यादी से परिवहन करने के लिए प्रभारित माल-गाड़े से अधिक नहीं होती ।

(6) वह, उप विनियम (4) में विविहत सीमाओं के भीतर, निजी सामान के परिवहन पर आधी वास्तविक लागत उस सीमा तक लेने का हकदार होगा, जो लागत प्रधिकतम किलोग्राम का सामान माल-गाड़ी से ले जाने पर उसके लिए अनुज्ञेय हुई होती । यदि कोई कर्मचारी रेल द्वारा युक्त स्टेशनों के बीच निजी सामान सङ्कर अवधा विमान से ले जाता है तो वह वास्तविक व्यय उस सीमा तक लेने का हकदार होगा जितना उसे माल-गाड़ी द्वारा सामान की अनुज्ञेय प्रधिकतम माला ले जाने पर मिला होगा ।

(7) स्थानान्तरण होने पर कोई कर्मचारी विनियम 3 के अधीन अवधारित किया जाने वाला एकमुश्त स्थानान्तरण-अनुशास्त्र प्राप्त करने का हकदार होगा ।

12. निलम्बन के दोरान भव्यता गवाही देने या प्रदाता में जाने प्रयत्ना अनुशासनिक कार्यवाहियों के सम्बन्ध में की जाने वाली याकाओं के लिए याका भत्ता :—

(1) किसी निलंबित कर्मचारी को, जिसे कि (पुलिस जांच से भिन्न) विभागीय जांच-पड़ताल में उपस्थित होने के लिए याका करनी पड़े, वहरे पर की गयी याका के समान, मुख्यालय से विभागीय जांच-स्थल तक भव्यता उस स्थान से, जहां पर कि उसे निलम्बन भविधि के दोरान रहने की अनुमति थी गयी है, जांच-स्थल तक, जो भी कम हो; याका भत्ते की अनुमति दी जा सकती है। ऐसे मामलों में याका भत्ते का विनियमन उस श्रेणी द्वारा किया जाएगा जिसमें कर्मचारी निलम्बन से पूर्व था। किन्तु यदि वह जांच किसी बाहर के स्टेशन पर, कर्मचारी के अपने अनुरोध पर की जाती है तो उसे कोई याका भत्ता अनुमतेय नहीं होगा।

(2) निम्नलिखित उपबन्ध गवाही देने के लिए बुकाए गए किसी भी कर्मचारी को भाग होने :

(क) किसी प्रापाराधिक मामले में, सैनिक न्यायालय के समक्ष के किसी मामले में, किसी सिलिंग मामले में, जिसमें कि प्राधिकरण एक पक्ष हो, भव्यता उपचित रूप से गठित किसी प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली विभागीय जांच में जाने की दशा में, न्यायालय भव्यता विभागीय प्रमाण-पत्र अपने विल के साथ संलग्न करके, वह, वहरे पर याका के समान ही, याका-भत्ता देने का हकदार होणा, परन्तु यह तब जब वे तथ्य, जिनके बारे में कर्मचारी को साक्ष्य देना है, अपने शासकीय कर्तव्यों का निवाह करते समय ही उसकी जानकारी में आए हों।

(ख) जब वह ऐसा याका-भत्ता प्राप्त करे तब न्यायालय भव्यता किसी अन्य प्राधिकारी से अपने अध्यय के संबंध में कोई संदाय स्वीकार न करे।

(ग) यदि वह न्यायालय, जिसमें उसने गवाही दी है, कर्मचारी के मुख्यालय वाले भगर में स्थित है तथा याका के लिए कोई याका-भत्ता अनुमतेय नहीं है तो वह, यदि स्थायी याका भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है तो, न्यायालय द्वारा विभ जाने वाले वास्तविक याका-अध्य को स्वीकार कर सकता है।

(घ) प्राधिकरण का कोई कर्मचारी, जिसे छूटी पर होने की दशा में याका देने के लिए समिति किया गया हो, इस विनियम के प्रधीन, उसे जिस स्थान से बुलाया गया है, वहा से थोनों ओर का याका-भत्ता उसी प्रकार प्राप्त करने का हकदार है मानो वह कर्तव्य पर रहा हो।

(3) किसी कर्मचारी द्वारा, उसके विल संस्थित अनुशासनिक कार्यवाहियों के संबंध में, अपनी प्रतिरक्षा की तैयारी करने के लिए सरकारी अधिकारियों के विविधता के लिए बाहर के स्टेशन को की गयी याका के लिए, वह कर्मचारी, किसी वहरे पर की गयी ऐसी याका के समान ही जिसमें कि पक्षवो के लिए कोई भत्ता अनुमतेय नहीं होगा, याका भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा।

यदि अनुशासनिक कार्यवाहियों में अन्वेषित कर्मचारी पूर्णतः निर्विविष्ट हो जाए तो उसे पक्षव के लिए मिलने वाला भत्ता भी संपर्य होगा।

(4) प्रतिरक्षा सहायक, जिसे अनुशासनिक कार्यवाहियों में अपकारी की सहायता करने के लिए अनुज्ञात किया गया हो, वहरे पर याका-भत्ते का भी हकदार होगा।

13. सेवा निवृति/भूत्य पर स्थानान्तरण याका भत्ता :

(1) सेवा निवृत हो रहे कर्मचारी को स्थानान्तरण याका-भत्ता, जिसमें स्थानान्तरण अनुदान तथा आकस्मिक अध्य सम्मिलित है, उसी पर अनुमतेय होगा जिस वर पर, वह सेवा कर रहे कर्मचारी को स्थानान्तरण होने पर लागू होता है। यदि कर्मचारी के प्राधिकरण की सेवा में होने के समय उसके द्वारा वाहन का रक्का जाना लोकहित में माना गया था तो कर्मचारी को सेवा-निवृति के समय उसे इस वाहन को याकास के लिए नहीं गए स्थान तक ये जाने के लिए आवश्यक सुविधाओं की अवस्था की जानी चाहिए। सेवा-निवृत हो रहे कर्मचारी को उसके चुने हुए स्थान में बसने की स्वतन्त्रता है तथा तब तब उसे अनुमतेय होगा जितनी कि उसे उसके मगर जाने के लिए अनुमतेय होती।

(2) उपर्युक्त विधायत उस कर्मचारी के कुटुम्ब को भी अनुमतेय होगी जिसकी प्राधिकरण की सेवा में रहते हुए हुए भूत्य हो गयी हो।

14. दाखों का प्रस्तुतीकरण :—

यदि याका पूरी होने की तारीख से एक ६५ के भीतर वह दाखा, जिसका याका से संबंध है, संबंधित कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता तो कर्मचारी का याका-भत्ते का प्रधिकार, जिसमें दैनिक भत्ता शामिल है, सम्पूर्ण भव्यता कर्मचारी द्वारा परिस्थिति किया गया समझा जाएगा।

15. प्रदिम विधायत :—

(1) नियंत्रक प्रधिकारी द्वारा याका-भत्ते के लिए प्रदिम धन की मंजूरी दी जा सकती है किन्तु यह धन, याका भत्ते की उस राशि से अधिक नहीं होगा जिसका कि कर्मचारी अपने वहरे अध्यता स्थानान्तरण के परिणामस्थलप हकदार हो सकता है।

(2) साधारणतया, किसी कर्मचारी को दूसरा अधिम तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि वह पहले लिए गए अधिम का हिसाब न दे दे।

16. कर्मचारियों को उनके मुख्यालयों पर, जिसमें अस्थायी इयूटी स्टेशन सम्मिलित है, उसकी प्रधारों की प्रतिष्ठिति :—

मुख्यालय पर याकाओं के लिए जिसमें अस्थायी इयूटी स्टेशन शामिल है, विनियम ४ के अधीन भील-भत्ता अनुमतेय होगा। किन्तु नियंत्रक प्रधिकारी, उसके लिए जो कारण है, उन्हें लेखदाद करके, सम्बद्ध अधिकारी की, कष्ट से बचाने की दृष्टि से, उपाय वास्तविक अध्य की प्रतिष्ठिति की मंजूरी दे सकता है।

17. सुवारी भत्ता :—

प्राधिकरण, उस स्तरों पर, जिन्हें वह उनके समये किया जाना चाहिए— भव्यता कर्मचारियों के किसी प्रवर्ती को, जिन्हें मुख्यालय पर अपनी इयूटी के सिलसिले में काफी याका करनी पड़ती हो, प्रतिमाह कीर्ति विनियम सवारी-भत्ता अनुज्ञात कर सकता है। यह भत्ता मुख्यालय मगर में की जाने वाली याकाओं के लिए मिलने वाले अन्य सभी याका भत्तों के बदले में होगा।

18. निवेदन :—

यदि इन विनियमों के विवरण के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो मामले को विनियमय के लिए आवश्यक की विविष्ट किया जायेगा जो उसका विनियमय करेगा।

19. प्राकस्मिकताएं जो इन विनियमों के अन्तर्गत न आती हैं:—

यदि कोई प्राकस्मिकता इन विनियमों के अन्तर्गत नहीं आ पाई है तो वारों को केवलीय सरकार के तत्सम आदेशों के आधार पर तय किया जा सकती है।

वी० एस० वास, प्रब्लम

New Delhi, the 18th May, 1979

#### NOTIFICATION

No. Sectt. 101/3/79.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 37 read with sub-section (2) of section 38 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the International Airports Authority of India with the previous approval of the Central Government hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application:—(1) These regulations may be called the International Airports Authority of India (Travelling Allowance and Daily Allowance) Regulations, 1979.

(2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) These regulations shall apply to all the employees of the Authority including deputationists.

2. Definitions:—In these regulations, unless, the context requires otherwise,

(a) "controlling officer" means the Chairman, any Member or any officer authorised in this behalf by the Chairman;

(b) "employee" means a whole-time employee of the Authority;

(c) "family" means an employee's wife or husband as the case may be, residing with the employee and legitimate children, including step children and adopted children (if, under the personal law applicable to the employee, adoption is legally recognised as conferring on the child so adopted the status of a natural child), wholly dependent on the employee, parents, brothers and sisters residing with, and wholly dependent upon, the employee;

(d) "headquarters" means the normal place of duty of an employee or such place as may be specified by Chairman, any Member or any officer authorised by the Chairman in this behalf;

(e) "pay" means pay, special pay, dearness pay and other emoluments classed as pay for the purpose of these regulations;

(f) "temporary transfer" means transfer of an employee from his headquarters to another place of duty for a period not exceeding 90 days;

(g) "tour" means official duty performed by an employee at a place other than at his headquarters city and included journey on training or study sponsored by the Authority.

3. Rates of travelling allowance and daily allowance.—The rates of travelling allowance and daily allowance payable under these regulations shall except as otherwise provided in these regulations be the same as notified by the Central Government in respect of its employees.

4. Admissibility of travelling allowance on tour:—Travelling allowance on tour shall be admissible to any employee as hereunder provided in regulations 5 to 9.

5. Journey by rail.—(1) The employee shall be entitled to reimbursement of rail fare (including tax on rail fare levied, if any) by the shortest route by the class of accommodation as given below:—

Employees drawing Rs. 2250  
and above.

—ACC 1st Class.

Employees drawing Rs. 425  
and above.

=1st Class

Employees drawing below  
Rs. 425

=2nd Class.

NOTE : The employee may be reimbursed cancellation charges where the journey had to be cancelled for reasons other than personal or beyond his control.

(2) If the journey is performed by an employee by a class lower than his entitled class, he shall be reimbursed the actual fare.

(3) In addition to the rail fare, an employee entitled to travel by second class shall also be reimbursed reservation charges and charges for sleeper (for night journey), if any, actually incurred by him.

6. Journey by air:—(1) The officers in the scale of Rs. 1800-2000 and above (Directors and above) may, at their discretion travel by air :

Provided that the Chairman or any Member authorised by him in this behalf may, for reasons to be recorded in writing, permit any other employee to travel by air.

(2) The employee shall be entitled to reimbursement of air travel tax if any, levied on air tickets purchased for air journey.

7. Journey by road:—(1) Journeys by road may be performed by an employee only between places not connected by rail. In case of journeys by road between places connected by rail, the employee shall be entitled to reimbursement of rail fare by the entitled class or the actual expenses incurred by him, whichever is less.

(2) In exceptional cases in which the controlling officer may permit an employee to undertake journey by road between places connected by rail, the employee shall be entitled to reimbursement of road mileage as per regulation 8.

8. Mileage allowance:—(1) An employee shall be entitled to mileage allowance for journeys performed by road at the rates to be determined as per regulation 3.

(2) While proceeding on tour and returning therefrom, an employee shall be entitled to mileage allowance under sub-regulation (1) for journey between his residence or place of halt to railway station or airport, as the case may be, if he is not provided conveyance at the expense of the Authority for such journey :

Provided that the controlling officer may, for reasons to be recorded in writing, sanction reimbursement of actual expenditure incurred, with a view to avoid hardship to the individual concerned.

(3) During the halt on tour the employee shall be entitled to the reimbursement of expenses actually incurred by him on conveyance for official journeys at the place of halt, in case no official conveyance is provided to him, subject to a maximum of Rs. 100 at any one station, at any one time for a continuous halt not exceeding 7 days. The limit of Rs. 100 may be relaxed in exceptional cases by the chairman upto Rs. 200. The limit of Rs. 100-200, as the case may be, can be increased proportionately when stay at out-station is longer than 7 days.

9. Daily allowance:—(1) In addition to the rail fare, air fare and road mileage as per regulations 5, 6 and 8 respectively, an employee shall be entitled to daily allowance for the entire absence from headquarters starting with departure from and ending with arrival at the headquarters to cover both on the way expenses as well as expenses for halt at out station.

(2) Full daily allowance shall be admissible for each completed calendar day of absence reckoned from mid-night to mid-night. For absence from the Headquarters for less

than 24 hours, the daily allowance shall be admissible at the following rates, namely :—

(i) If the absence from Hqrs. does not exceed 6 hours.	3%
(ii) If the absence from Hqrs. exceeds 6 hours, but does not exceed 12 hours.	50%
(iii) If the absence from Hqrs. exceeds 12 hours.	Full

In case the period of absence from headquarters falls on two calendar days, it shall be reckoned as two days and daily allowance calculated for each as above. Similarly, daily allowance for days of departure from and arrival at Headquarters shall also be regulated accordingly.

(3) The rates of daily allowance shall be determined as per regulation 3.

(4) The entitlement to daily allowance in the following circumstances shall be determined as under :—

(i) When employee is provided free board and lodging.	1/4 of daily allowance.
(ii) When he is provided with free board.	1/2 of daily allowance.
(iii) When he is provided with only free lodging.	3/4 of daily allowance

(5) For the time spent during the journey, daily allowance shall be admissible only at the ordinary rates. If the time involves stay at station for which higher rates of daily allowance are admissible, daily allowance shall be paid for the period of halt at such stations calculated as per sub-regulation (4) at the higher rate applicable to those stations. The daily allowance for the remaining period shall be admissible at ordinary rates.

(6) Full daily allowance shall be admissible for 30 days whether on temporary transfer or on tour for stay at one station and thereafter at half rates with the sanction of the Chairman or any Member or officer authorised by the Chairman in this behalf. No daily allowance shall be admissible beyond 90 days. Chairman may, however, in cases of employees sent on courses of instructions and training allow the payment of daily allowance at half the rate beyond 90 days for a period of 180 days for reasons to be recorded in writing.

10. Travelling allowance on transfer :—An employee shall be entitled to draw travelling allowance on transfer from one station to another, if he is transferred by the Authority otherwise than on his own request.

11. Journey on transfer :—(1) An employee shall be entitled to draw actual fare by the entitled class of rail or other means of transport admissible to him as on tour for himself and for his family.

(2) An employee travelling by air on transfer if he is authorised to travel on tour by air, is entitled to draw the air fare actually paid for himself and the members of his family.

(3) An employee shall also be entitled to draw for the period of journey daily allowance as on tour for himself and each member of his family. Daily allowance for children below 12 years shall be payable at half of the usual rates.

(4) An employee shall be entitled to draw the actual cost of transportation by train or other means of transport for carriage of personal effects upto the following maxima, namely :—

Grade of employee	If not possessing family	If possessing family
Rs. 1000 or more	2000 Kg.	Full wagon
Rs. 650 but below	1000 Kg.	3000 Kg.
Rs. 1000		
Rs. 330 but below	750 Kg.	1500 Kg.
Rs. 650		
Below Rs. 330	250 Kg.	600 Kg.

Provided that the Chairman may, in special cases, for reasons to be recorded, relax the scale.

(5) An employee shall be entitled to draw the actual cost of transporting his conveyance at owner's risk at the following scales, provided that :—

- (a) the distance travelled exceeds 150 kms.
- (b) the employee is travelling to join a post in which the possession of conveyance is advantageous from the point of view of his efficiency; and
- (c) conveyance is actually carried by rail or other means of transport.

Grade of the employee  
pay Rs. 650 & more

pay Rs. 330 & more

other employees

Scale allowed  
one motor car/or motor cycle/scooter or cycle.  
one motor cycle/scooter or cycle.  
one ordinary cycle.

When an employee is authorised to carry his motor car or motor cycle/scooter by rail, he may do so by passenger train or goods train at his option. In the former case, the actual freight charged by the railway may be drawn by the employee and in the latter case i.e. if the motor car or motor cycle or scooter is despatched by goods train, the employee may draw, in addition to the freight charged by the railway, the cost of the packing and of transporting the packed motor car or motor cycle or scooter to and from the goods shed and the station of departure and arrival, provided that the total amount as drawn shall not exceed the freight charged by the railway for transporting the car or motor cycle by passenger train.

(6) For the transportation of personal effects within the limit prescribed in sub-regulation (4), he shall be entitled to draw the actual cost of carriage by passenger train upto a limit of the amount which would have been admissible had he taken the maximum number of Kgs. by goods train. If an employee carries his personal effects by road or air between stations connected by rail he shall be entitled to draw actual expenses upto the limit of the amount which would have been admissible had he taken the maximum quantity admissible by goods train.

(7) An employee on transfer shall be entitled to draw lump-sum transfer grant to be determined under regulation 3.

12. Travelling allowance for journeys during suspension or to give evidence or to attend a court of law or in connection with disciplinary proceedings.—(1) An employee under suspension who is required to perform journey to attend a departmental enquiry (other than police enquiry), may be allowed travelling allowance as for a journey on tour from the headquarters to the place where the departmental enquiry is held or from the place at which he has been permitted to reside during suspension to the place of enquiry, whichever is less. Travelling allowance in such cases shall be regulated by the grade to which the employee belonged prior to his suspension. No travelling allowance shall, however, be admissible if the enquiry is held at an out-station at his own request.

(2) The following provision shall apply to any employee who is summoned to give evidence, namely :

(a) In a criminal case, a case before a court martial, a civil case to which the Authority is a party or a departmental enquiry held by a properly constituted authority, he shall be entitled to draw travelling allowance as for a journey on tour attaching to his bill a certificate of attendance given by the court or other authority which summoned him, provided that the facts as to which the employee is to give evidence have come to his knowledge in the discharge of his official duties.

(b) When he draws such travelling allowance, he may not accept any payment of his expenses from the court or any other authority.

(c) If the court in which he has given evidence is situated in the headquarters city of the employee and no

travelling allowance is admissible for the journey, he may, if he be not in receipt of permanent travelling allowance, accept such payment of actual travelling expenses as the court may make.

(d) An employee of the Authority summoned to give evidence while on leave is entitled to travelling allowance under this regulation from and to the place from he is summoned, as if he was on duty.

(3) For journeys undertaken to out-station to peruse official records for the preparation of the defence in connection with disciplinary proceedings instituted against the employee, the employee shall be entitled to travelling allowance as for a journey on tour without any allowance for halts.

In case the employee involved in the disciplinary proceedings is fully exonerated, the allowance for halt shall be payable to him.

(4) The defence assistant who has been permitted to assist the delinquent in disciplinary proceedings shall, however, be entitled to travelling allowance on tour and also the allowance for halt as admissible for journey on tour.

13. Transfer travelling allowance on retirement/death :—  
(1) Transfer travelling allowance including transfer grant and incidentals shall be admissible to a retiring employee on the same rate as for a serving employee on transfer. If the possession of a conveyance by the employee while in service of the Authority was considered to be in the public interest, necessary facilities for its transportation to the selected place of residence should also be provided on retirement of the employee. A retiring employee has the freedom to settle down in a station of his choice and the transfer travelling allowance shall be admissible to him accordingly subject to the above being limited to what would have been admissible to him had he proceeded to his declared home town.

(2) The above concession shall also be admissible to the family of an employee who dies while in the service of the Authority.

14. Submission of claims:—The right of an employee to travelling allowance including daily allowance is forfeited or deemed to have been relinquished, if the claim is not preferred within one year from the date of completion of the journey, to which it relates.

15. Amount of advance:—(1) An advance of travelling allowance may be sanctioned by the controlling officer but it shall not exceed the amount of travelling allowance to which an employee may be entitled to in consequence of his tour or transfer.

(2) Ordinarily a second advance shall not be sanctioned to an employee until an account has been given of the first advance.

16. Reimbursement of conveyance charges to employees at their headquarters including temporary duty stations:—For journeys at the headquarters including temporary duty stations, mileage allowance as under regulation 8 shall be admissible. However, the controlling officer may, for reasons to be recorded in writing, sanction the reimbursement of actual expenditure incurred with a view to avoid hardship to the individual concerned.

17. Conveyance allowance:—The Authority may allow, on such conditions as it may think fit, a monthly specified conveyance allowance to an employee or a category of employees whose duties require extensive travel at the headquarters. Such an allowance shall be in lieu of all other travelling allowance for journeys at the headquarters city.

18. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman who shall decide the same.

19. Contingencies not covered by these regulations.—In case of any contingency not covered by these regulations, claims may be settled on the basis of corresponding orders of the Central Government.

B. S. DAS, Chairman